

---

bhagavatIstotram

भगवतीस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : bhagavatIstotram

File name : bhagavatiistotra.itx

Category : devii, pArvatI, stotra, vyAsa, devI

Location : doc\_devii

Author : Maharshi\_Vyas

Proofread by : Sridhar Seshagiri seshagir at engineering.sdsu.edu

Latest update : October 20, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

bhagavatIstotram

भगवतीस्तोत्रम्



जय भगवति देवि नमो वरदे जय पापविनाशिनि बहुकृपदे ।  
जय शुभ-निशुभ कपालधरे प्राणमामि तु देवि नरार्तिहरे ॥ १ ॥

जय चन्द्रदिवाकर-नेत्रधरे जय पावकभूषितवङ्गवरे ।  
जय भैरवदेहनिनीनपरे जय अन्धकदैत्यविशोषकरे ॥ २ ॥

जय मणिषविमर्दिनिशूलकरे जय लोकसमस्तकपापहरे ।  
जय देवि पितामहविष्णुनुते जय भारकरशङ्कराऽवनते ॥ ३ ॥

जय षड्भुज-सायुध-धनुते जय सागरगामिनि शम्भुनुते ।  
जय दुःख-हरिद्र-विनाशकरे जय पुत्रकल त्रिवृद्धिकरे ॥ ४ ॥

जय देवि समस्तशरीरधरे जय नाकविदर्शिनि दुःखहरे ।  
जय व्याधिविनाशिनि भोक्षकरे जय वाञ्छितदायिनि सिद्धिकरे ॥ ५ ॥

अेतद्व्यासकृतं स्तोत्रं यः पठेन्नियतः शुचिः ।  
गृहे वा शृङ्गभावेन प्रीता भगवती सदा ॥ ६ ॥

॥ इति व्यासकृतं भगवतीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

---

bhagavatIstotram

pdf was typeset on December 22, 2023

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

